राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

संख्या–13/2025

प्रेस–विज्ञप्ति

शरीर, मन और आत्मा की शुद्धि ही शिक्षा का उद्देश्य है –राज्यपाल

पटना 02 फरवरी, 2025 :– माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खां ने पटना वीमेंस कॉलेज के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शरीर, मन और आत्मा की शुद्धि तथा चरित्र निर्माण व उच्च नैतिक मूल्यों को आत्मसात करना ही शिक्षा का उद्देश्य है। हमारे विचार उच्च होने चाहिए। उन्होंने करूणा और संवेदना को आनंद का स्रोत बताते हुए कहा कि महिलाओं में ये गुण सहज ही पाये जाते हैं, परन्तु पुरूषों को इसके लिए प्रयास करना पड़ता है। बहुत बड़े विद्वान लोगों में भी इन गुणों का अभाव हो सकता है। उन्होंने स्त्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण पूर्णावतार होने के बावजूद कठिन परिस्थितियों में श्रीराधा के पास गये।

उन्होंने कहा कि स्त्रियों को शिक्षित करके ही हम एक शांतिपूर्ण, सहिष्णुतापूर्ण, न्यायपूर्ण और बेहतर दुनिया का निर्माण कर सकते हैं, इसलिए लड़कियों की शिक्षा अत्यन्त आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जिस समाज ने बेटियों को बेटों के बराबर अवसर उपलब्ध कराया वह अधिक समृद्ध और विकासशील है। स्त्रियों की शिक्षा के बिना समाज का विकास नहीं हो सकता है। केन्द्र एवं राज्य सरकार तथा अन्य संस्थाएँ लड़कियों की शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

राज्यपाल ने पटना वीमेंस कॉलेज की उपलब्धियों और लड़कियों की शिक्षा व उसके सशक्तिकरण हेतु किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह कॉलेज वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सिर्फ स्त्रियों का विकास ही नहीं, बल्कि स्त्रियों के नेतृत्व में विकास पर जोर देते हैं। यह कॉलेज उनके सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।

इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। राज्यपाल ने उल्लेखनीय प्रदर्शन हेतु अनेक छात्राओं को पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम को पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० अजय कुमार सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर पटना वीमेंस कॉलेज के शासी निकाय के सदस्यगण, प्रधानाचार्या डॉ० सिस्टर एम० रश्मि ए०सी० एवं अन्य शिक्षिकाएँ, छात्राएँ एवं उनके अभिभावक तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

.....